Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Yatindrasuri Abhinandan Granth

Folder No.	012074
Granth Name	Yatindrasuri Abhinandan Granth
Author	Vidyavijay, Sagaranandvijay, Kalyanvijay, Devendravijay, Jayantvijay & Others
Publisher	Saudharmbruhat Tapagacchiya Shwetambar Shree Sangh
Edition	1
Year	
Pages	502

यतीन्द्रसूरि अभिनन्दन ग्रन्थ

फोल्डर नं.	०१२०७४
ग्रन्थ	यतीन्द्रसूरि अभिनन्दन ग्रन्थ
लेखक	विद्याविजय, सागरानन्दविजय, कल्याणविजय, देवेन्द्रविजय और अन्य
प्रकाशक	सौधर्मबृहत्तपागच्छीय श्वेतांबर श्री संघ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	
पृष्ठ	५०२

मुख्य टाइटल
दो शब्द
सम्पादकीय
विषय सुचि
जीवन खण्ड ---------- ३
हिन्दी गुर्जर ---------- १५
विविध विषय खण्डन ---------- १
भारतीय दर्शनों में आत्मस्वरूप- श्री कल्याणविजय म. ---------- १
तुलनात्मक दृष्टि से जैनदर्शन- मास्टर खुबचंद केशवलाल ---------- ९
स्याद्वाद और उसकी व्यापकता- मुनि मनोहरमुनि शास्त्री ---------- १३
स्याद्वाद की सध्धांतिकता- जैन सिद्धान्ताचार्या महासती कौशल्या कंवर ---------- १६
अहिंसा का आदर्श- श्री लक्ष्मीचन्द्र जैन ---------- २४
प्रवृत्ति और निवृत्ति- मुनि विद्याविजय ---------- ३३
विश्वशांतिका अमोध उपाय- श्री अगरचन्द नाहटा---------- ३६
मोक्षपथ- श्री सुरजचन्द सत्यप्रेमी ---------- ४०
निवृत्ति लेकर प्रवृत्ति की ओर- श्री मुनिजयन्तविजयजी ---------- ४२
राकेट युग और जैनसिद्धान्त- मोहनलाल जैन ---------- ४८

Jain Educationa International For Personal and Private Use Only www.jainelibrary.org

वीतरागकीहि उपासना क्यों- शान्त प्रकाश डांगी ---------- ५१
श्री नमस्कार महामन्त्र- देवेन्द्रमुनि ---------- ५४
श्री नमस्कारमंत् महात्म्य कथायें- भंवरलाल नाहटा ---------- ८७
संगीत और नाट्य की विशेषता- माधवलाल डांगी ---------- १०१
आदिकाल का हिन्दी जैन साहित्य और उसकी विशेषतायें- हरिशंकर शर्मा ---------- १०५
मंत्री मंडन और उसका गौरवशाली वंश-दौलतसिंह लोढा ---------- १२८
जैन श्रमणों के गच्छोंपर प्रकाश- अगरचन्दजी नाहटा ---------- १३५
अंगविज्जा- डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल ---------- १६६
वसंतगढ की प्राचीन धातु प्रतिमाएँ- डॉ. उमाकांत प्रेमानंद शाह ---------- २०४
संस्कृत में जैनों का काव्यसाहित्य- डॉ. गुलाबचन्द चौधरी ---------- २१३
भगवान महावीर- पं. लालचंद भगवान गांधी ---------- २३२
कर्म आत्मा का संयोग- उपा. आनन्द ऋषिजी म. ---------- २३९
निश्चय और व्यवहार- पं. जुहारमल एवं पं. मिश्रीलाल बोहरा ---------- २४३
उपा. मेघविजयजी एवं उनका देवानन्द महाकाव्य- श्री दिवाकर शर्मा ---------- २४६
सम्राट अकबर का अडिंसाप्रेम- प्रतापमलजी सेठिया ---------- २५८
पुनरुद्धारक श्रीमद् राजेन्द्रसूरि- शाह इंद्रमल भगवानजी---------- २६०
खरवाटक भिणाय और श्री चवलेश्वर पार्श्वनाथ-दौलतसिंह लोढा ---------- २७६
जैनगीतांरी रसधारा- श्री रावत सारस्वत ---------- २८४
Prakrit- Dr. A N Upadhyaye----------288
बहुश्रुत पूजा- पं. लालचन्द भगवान गांधी ---------- ३६०

ગુર્જર વિભાગ

જૈનધર્મની અતિવિશાલતા-પં. ધીરજલાલ ટોકરશી ---------- ૩૧
નવપદો અને તેનું સ્વરૂપ- શ્રી ફતેહચંદ જવેરભાઈ ---------- ૩૧૩
વેદનાની છબી-વૈદ્ય મોહનલાલ ચુનીલાલ ધામી ---------- ૩૨૪
ત્રિવેણી સ્નાન-મ મોહનલાલ દીપચંદ ચોકસી ---------- ૩૨૭
સમાજમાં ધર્મનું સ્થાન- ચંદુલાલ એમ. શાહ ---------- ૩૩૧
આત્મસંયમ- શતાવધાની કવિવર્ય શ્રી જયંતમુનિ---------- ૩૩૪
શ્રીહેમચંદ્રાચાર્યનું રાજકારણ-નાગકુમાર મકાની ---------- ૩૩૭
ભોજનું કીર્તિશિખર- ચુનીલાલ વર્ધમાન શાહ ---------- ૩૪૧
પ્રાચીન તીર્થક્ષેત્રથી લક્ષ્મણીજી- મુનિ શ્રીજયંતવિજયજી ---------- ૩૪૪
અહિંસા અને વિશ્વશાંતિ- પુલચંદ હરીચંદ દોશી મહુવાકર ---------- ૩૫૦
અહિંસા-રાષ્ટ્રભાષા અને સમજ- શાહ રતીલાલ મફતલાલ માંડલ ---------- ૩૫૩
પરિગ્રહ પરિમાણવ્રત અને સમાજવાદી સમાજ- શ્રી બાલચંદ હીરાચંદ ---------- ૩૫૬
જૈનનું જીવન- મફતલાલ સંઘવી ---------- ૩૬૦
આજનો જૈન અને ગૃહસ્થ ધમ- પુનમચંદ નાગરલાલ દોશી---------- ૩૬૨
શું લખવું-શ્રી જગજીવનદાસ કપાસી ---------- ૩૬૭
આચાર્યશ્રીનાં પવિત્ર દર્શનની પુનિત યાદી- વિનુભાઈ ગુલાબચંદ શાહ ---------- ૩૭૧
હીરકચંદ જયંતિ મહોત્સવ की एक झलक-खाचरोद- श्री बालचंद्र जैन ---------- ३७२

Jain Educationa International For Personal and Private Use Only www.jainelibrary.org